नाच मेरी बुलबुल तुझे पैसे मिलेंगे

जिस ब्रह्मा के मुख से सभी धर्मपिताओं की तरह वर्बली बोली गई वेद वाणी से निकले ब्रह्मा मुख वंशावली सूर्यवंशी ब्राह्मणों के साथ ही ढेर–के–ढेर कुखवंशावली नीची कुरियों वाले ब्राह्मण, जो भविष्यगत अगली चतुर्युगी में द्वापर के द्वैतवादी दैत्यों के इब्राहीम आदि विदेशियों–विधर्मियों में कन्वर्ट होने वाले नीची कुरी के तथाकथित ब्रह्माकुमारों ने ही भविष्यगत 5000 वर्षीय ब्रॉड ड्रामा की वर्तमान संगमयुगी रिहर्सल काल में ऐसे–ऐसे शर्मनाक नीच कर्म किये हैं, जिनके कारण साक्षात् भगवान को भी असंख्य कलंक धारण करने वाला और कलियुग अंत में शिवलिंग पर संपूर्ण अर्पण किए जाने वाला ना+रियल फल जैसा ऊपरी दिखावटी पार्टधारी का– "जैसा काम वैसा नाम" वाला भारत देश में ही "कलंकीधर" बनना पड़ा।

पापी कलियुग के अंत में इन कुखवंशावली ब्रह्माकुमारों के असंख्य पापाचारों के कारण ही ब्रह्मा जैसी देवात्मा को त्रिमूर्ति जैसी परम प्रसिद्ध मूर्तियों के बीच आज कोई याद भी नहीं करता। ब्रह्मा की मूर्तियाँ भी नहीं बनाई जाती और ना उनके यादगार मंदिर बनाकर चित्रों वा मूर्तियों का कोई मनुष्य मात्र पूजन ही करता है। यहाँ तक कि ब्रह्मा मुख से निकली वेद वाणी को आज की तामसी कलियुगी दुनिया में कोई गायत्री परिवार का रामचंद्र जैसा विद्वान समझना–समझाना तो दूर, सुनते और सुनाते भी नहीं देखा जाता। सिवाय मुसलमानों के तीर्थ स्थान अजमेर शरीफ के पास पुष्कर में जहाँ सिर्फ़ मुसलमान धर्म में द्वैतवादी द्वापुरयुग से कन्वर्ट होने वाले तत्कालीन त्रेता अंत में, 2500 वर्ष पूर्व के इन्हीं पुष्कर्णी नीची कुरियों वाले ब्रह्माकुमारों की यादगार में सिर्फ़ माउंट आबू की तरह थोड़े–से ब्राह्मण ही ब्रह्मा की मूर्तियाँ/चित्र आदि बनाकर पुष्कर के यादगार मंदिर में पूजा करते हैं। इन ब्रह्माकुमारों द्वारा शंकर पार्टी कही जाने वाली सूर्यवंशी एडवांस पार्टी की आत्माओं ने ही इन्हें धक्का देकर (push+कर्णी) ब्राह्मणों के रूप में द्वापरयुगी शूटिंग से शास्त्रों में प्रत्यक्ष किया है। मजबूरी से संसार को अंधश्रद्धा वाली मात्र दिखावे की ईश्वरीय सेवा करने वाले यही कुखवंशावली ब्राह्मण मैं–मैं करके नई दुनिया बनाने की घोषणा करने वाले अज+मेढ़ के पुष्करणी ब्राह्मणों की यादगार है। इन्हीं तथाकथित ब्रह्माकुमारों ने और दुनियावी भ्रष्टाचार (corruption) माने जाने वालो ने अपने कुकर्मों की बौछार से ब्रह्मा जैसी सहनशील देवात्मा की दाढ़ी की लाज भी नहीं रखी। इतना तक कि संसार में अपने प्रैक्टिकल पार्टधारी माई–बाप जैसे ब्रह्मा का और उनकी असल संतान, ऊँची कुरी वाले सूर्यवंशी–चंद्रवंशी ब्राह्मणों को, पूरा 'वसुधैव कुटुम्बकम' बनने योग्य असल भारतीय देवात्माओं को, समूचे विश्व की अन्यान्य धर्मावलम्बी मनुष्यात्माओं के बीच 'काफिर' करार करवा दिया। इस तरह सारे भारतवासी हिन्दुओं का नाम ही बदनाम करके रख दिया और आखरीन कलियुग में मुसलमान–अंग्रेजों आदि विदेशियों का खरीदा हुआ नौकरी–चाकरी करने वाला दास ही बनाकर रख दिया। यह 5000 वर्षीय विश्व के ब्रॉड ड्रामा का 100 वर्षीय रिहर्सल काल अभी भी चल रहा है। अभी भी सदा पर्दे के पीछे रहने वाले निराकार डायरेक्टर भगवान शिवपिता के बनाए हुए "वसुधैव कुटुम्बकम" का सपना देखने वाले "विश्व का कल्याण हो" ऐसे विश्व कल्याणकारी असल भारतवासी बच्चों को पक्का–पक्का चांस है कि इन नीची कुरियों वाले, कनवर्टेड ब्रह्मा के कुखवंशावली ब्राह्मणों के असली भ्रष्टाचारी कुकर्मों की गहरी–से–गहरी CBI जाँच करवाकर इन्हें निकट भविष्य में ही बनने वाली भारतीयों की धरणी माता "जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपिगरीयसी" से तुरंत निष्कासित कराया जाए। इन्हीं कुखवंशावली ब्राह्मणों ने मीडिया में सर्वथा झूठी अफवाहें फैलाकर भारत सरकार के अन्यान्य विभागों के साथ ही शास्त्रों में प्रसिद्ध सारी दुनिया के सर्वोच्च न्यायाधीश धर्मराज के वर्तमान कालीन नीचे से लेकर ऊपर तक के हाईकोर्टों, यहाँ तक कि सुप्रीम कोर्ट को भी दुनियावी (राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री जैसे बड़े–बड़े लोगों के) दबदबों से और अपने आर्थिक प्रभाव से NGO's और कुछ खास मीडिया वालों को भी प्रभावित करके रख दिया है।

इन्हीं तथाकथित ब्रह्माकुमारों को सपोर्ट करने वाली आज की भ्रष्टाचारी सरकार के द्वारा स्वीकृत मीडिया की मात्र सुनी–सुनाई बातों के आधार पर फैलाई गई सर्वथा व्यक्तिगत झूठी अफवाहों पर भिन्न–भिन्न नामधारी अनगिनत विभागों जैसे– DCW, CWC, MCD, DHC, UGC, UPP, WBP, DP, HRC और भांति–भांति के NGOs जैसे संगठन न जाने कितनी होशियारियाँ दिखाने वाला फिल्मों में प्रसिद्ध गीत "नाच मेरी बुलबुल तुझे पैसे मिलेंगे" वाला सनसनीखेज नंगा नाच कर रहे हैं, जिसके फल स्वरूप सारे भारत की भोली–भाली निरीह प्रजाजन और उनके द्वारा बनाई गई बेकायदे प्रजातंत्र सरकार की टाइम, मनी और एनर्जी का व्यर्थ ही दुरुपयोग हो रहा है; अब कलियुगांत में कल्पांतकारी गीता का भगवान अर्जुन जैसी नंबरवार, अल्पसंख्यक, पंडवीय मनुष्यात्माओं को राजयोग सिखाकर, जन्म–जन्मान्तर के स्वाधीन राजायें बनाकर राजाओं का राजतन्त्र स्थापन कर रहे हैं। यही राजतंत्र सतयुग से लेकर लगभग कलियुग के अंत तक स्पष्ट रूप से पौराणिक और मनुष्यकृत

इतिहास में अच्छी तरह देखा जा सकता है। बाकी प्रजातंत्र राज्य का तो सारी दुनिया से कुछ ही वर्षों में सफाया होने वाला है। ये तो वर्तमान ब्रॉड ड्रामा के शूटिंग काल में भी तामसी कलियुग अंत में, तामसी बने मनुष्यों द्वारा या कहें ब्रॉड ड्रामा की शूटिंग कालीन माया बेटी बी. के. कुमारिका का फैलाया हुआ प्रजातंत्र राज्य है जो सारे अखंड भारत के परमप्रसिद्ध परमपिता "हर–हर बम–बम" के सिखाये योगबल वाली ओम मंडली (सन् 1942 से पूर्व) की प्रेरणा से बनवाये गए एटॉमिक बॉम्ब जो चतुर्थ विश्वयुद्धीय महाविनाश के लिए बने हैं। जल्दी ही नष्ट होने वाला यह प्रजातंत्र सारी दुनिया के प्रायः सभी देशों में प्रथम विश्व युद्ध के बाद से ही तेजी से फैल गया है।

- माउंट आबू से ब्रह्माकुमारों द्वारा छपाई गई अव्यक्त वाणी की किताबों में भी बी.के. गुल्जार मोहिनी में प्रवेश दादा लेखराज ब्रह्मा की आत्मा ने पहले ही हम सभी पाँच ऊँगलियों पर गिने जाने योग्य 5 पांडव अर्थात् सर्वाधिक अल्पसंख्यक भारतवासी, गीता की एडवांस पढ़ाई पढ़ने वाले राजयोगी ब्राह्मणों को स्पष्ट इशारा दे दिया था– "सुनी–सुनाई बातों पर ही भारतवासियों ने दुर्गति को पाया है।" (मु.ता. 30.1.71 पृ.4 आदि)

- जब (सुप्रीम शिव) बाप आते हैं तो बड़े–बड़े लोग महामूर्ख ही बन जाते हैं, जितने बड़े उतने ही मूर्ख बनते.....देखो बड़े–बड़े नेताएँ (सुप्रीम फादर को) जानते हैं? तो महामूर्ख हुए ना!... सारा उल्टा कार्य करते हैं। (जैसे दिल्ली जैसी राजधानी की विशाल इमारत 'विजयविहार' को अनायास गिराने और बालिग कन्याओं को रेस्क्यू कराने के बहाने किडनैप करने जैसा उल्टा कार्य करते हैं) ....आप कहते हो (सुप्रीम) बाप आया है, वह कहते, हो ही नहीं सकता। तो (फिर गुस्से में तोड़–फोड़ जैसा) उल्टा कार्य करते है ना! (अ.वा. 21.3.81 पृ.79 अंत)

ॐ शांति

Contact Us

Address

A-351-352, Vijayvihar, Phase-1, Rithala, Delhi- 110085

Mobile - 9891370007, 9311161007

Email - a11spiritual1@gmail.com

Website – WWW.PBKS.INFO/ADHYATMIK-VIDYALAYA.COM

Youtube – ADHYATMIK-VIDYALAYA OR AIVV

@A1SPIRITUALUNIVERSITY

Twitter - @adhyatmikaivv

Instagram - @adhyatmikvidyalaya

Linkedin – linkedin.com/company/adhyatmik-vidyalaya